www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 332 || लखनऊ
सोमवार
09 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:22
सूर्यास्तः 06:12
अधिकतमः 35°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 03

विशेष समाचार
कच्चा तेल खरीद में अमेरिका... >> पेज 02
शंकराचार्य पर एफआईआर कराने... >>पेज 04
शाहरुख खान ने फिल्म सूबेदार की ...

हत्याकांड के आरोपियों के मकानों पर चला बुलडोजर

अब तक 8 आरोपी पकड़े गए, दिल्ली में होली पर युवक की हत्या हुई थी

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में नगर निगम प्रशासन ने रविवार को मर्डर के आरोपी निमामुद्दीन का घर का अतिक्रमण वाला हिस्सा बुलडोजर से ढहा दिया। यह एक्शन उत्तम नगर इलाके की जेजे कॉलोनी में आरोपी निजामुद्दीन के खिलाफ लिया गया। इस दौरान भारी पुलिस मौके पर तैनात रही। दरअसल 4 मार्च को होली पर रंग का गुब्बारा फेंकने पर हुए विवाद में निमामुद्दीन समेत कई लोगों ने तरुण (26) नाम के युवक की हत्या की थी। पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और SC/ST एक्ट में केस दर्ज किया गया है। घटना के बाद बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने 6 मार्च को उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन किया था। भीड़ ने निजामुद्दीन के घर के बाहर मौजूद वाहनों में आग लगाई थी। उसका तरुण के परिवार से विवाद हुआ। तरुण के परिवार ने महिला से माफी मांगी, लेकिन महिला उन्हें अपशब्द कहती रही। इसके बाद महिला वहां से चली गई।

तरुण सिंह (26) की हत्या हुई। फाइल फोटो

तरुण की हत्या का वीडियो भी सामने आया

घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें नजर आ रहा है कि गली के किनारे पर कुछ लोग तरुण पर लाठी, बेट, डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर रहे हैं। गली में भीड़ मौजूद है। पीड़ित परिवार तरुण को बचाने की कोशिश कर रहा है।

> अरुण ने बताया कि कुछ समय बाद महिला के परिवार के 20-25 लोग क्रिकेट बेट, डंडे और लोहे की रॉड लेकर आए। उन लोगों ने हमला कर दिया। इस समय तरुण दोस्तों के साथ होली खेलने गया था, लेकिन वह भी लौट आया। कुछ लोगों ने तरुण पर हमला कर दिया। तरुण के पिता और परिवार के अन्य लोगों से भी मारपीट की गई। बाद में गंभीर घायल तरुण को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

नीतीश के बेटे निशांत ने जेडीयू जॉइन की

बोले- पापा पर भरोसा रखिए, उनके काम को आगे ले जाऊंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार 8 मार्च यानी रविवार को JDU की सदस्यता ली। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं रहे। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। ललन सिंह ने उन्हें पार्टी का गमछा पहनाया। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद निशांत ने ललन सिंह और संजय झा के पैर छुए। निशांत ने कहा, 'मैं पार्टी के लिए मेहनत से काम करूंगा। मेरे पिताजी ने 20 साल में जो काम किए हैं, मैं उन्हें आगे बढ़ाऊंगा। राज्यसभा जाने का फैसला मेरे पिताजी का है। बिहार की जनता और देश की जनता से अपील करता हूं कि पिताजी पर विश्वास बनाए रखें।' इससे पहले निशांत में अपने पिता नीतीश की स्टाइल में हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। वे सफेद कुर्ते और क्रॉक्स चप्पल में पहुंचे। इस दौरान नीतीश कुमार और निशांत कुमार जिंदाबाद के नारे लगते रहे। बिहार की CM कैसा हो निशांत कुमार जैसा हो के भी नारे लगे। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता ललन सिंह जिंदाबाद के नारे लगाने लगे।

- दिल्ली के उत्तम नगर इलाके की जेजे कॉलोनी में प्रशासन की टीम ने मर्डर के आरोपी के घर के अवैध हिस्से को तोड़ा।
- अधिकारियों ने बताया कि केवल अतिक्रमण वाले हिस्से को बुलडोजर से ढहाया गया है। पूरा घर नहीं गिराया है।
- बुलडोजर एक्शन के दौरान पुलिस ने इलाके में पेट्रोलिंग की। पूरे इलाके में ड्रोन से नजर रखी जा रही है।

बच्ची ने गुब्बारा फेंका, मुस्लिम महिला पर छींटें पड़े

दरअसल, 4 मार्च को होली वाले दिन उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में तरुण सिंह (26) के घर की 11 साल की बच्ची छत से नीचे रंग के गुब्बारे फेंक रही थी। उसने एक गुब्बारा अपने ताऊ पर फेंका। पानी के छींटे रास्ते से गुजर रही मुस्लिम महिला पर पड़े। तरुण के बड़े भाई अरुण के मुताबिक महिला इस पर नाराज हुई।

तरुण के पिता बोले- आरोपियों को फांसी हो

तरुण के पिता की मांग है कि आरोपियों को फांसी की सजा हो। उनके घर पर बुलडोजर चले। हमारे बेटे को न्याय मिलना चाहिए। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि इस मामले की सही और निष्पक्ष जांच होगी। आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। परिवार को मुआवजा भी दिया जाएगा। वहीं, पुलिस ने इस मामले में जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनमें इमरान उर्फ बंटी (38), उमरदीन (49), जुम्मादीन (36), कमरुद्दीन (36), मुस्ताक (46), मुज्जफर (25) और ताहिर (18) के नाम हैं। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

तरुण को छोड़कर सभी को किया था डिस्चार्ज

डीसीपी के मुताबिक 4 मार्च को रात 11:09 बजे PCR कॉल मिली थी। मौके पर पहुंची टीम को पता चला कि पानी से भरे गुब्बारे को एक बच्ची ने फेंका था, जो दूसरे समुदाय की एक महिला को लगा। इसे लेकर दोनों पक्ष में झगड़ा शुरू हो गया, जिसमें एक पक्ष से 3 और दूसरे पक्ष से 5 लोग घायल हो गए। सभी को नजदीक के अस्पताल में ले जाया गया, जहां तरुण को छोड़कर सभी को डॉक्टर ने डिस्चार्ज कर दिया। इस मामले में तरुण की मौत हो गई।

होली के दिन हुआ था पड़ोसियों के बीच विवाद

उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में 4 मार्च को होली के दौरान दो पड़ोसी परिवारों के बीच विवाद हो गया था। बताया गया कि एक बच्ची द्वारा फेंका गया पानी से भरा गुब्बारा सड़क पर फट गया, जिससे पास से गुजर रही महिला के कपड़ों पर रंग पड़ गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और बाद में झगड़ा हिंसक हो गया।

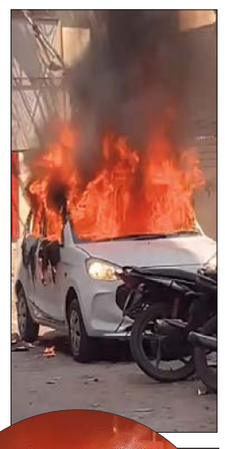

6 मार्चः विश्व हिंदू परिषद का प्रदर्शन किया

घटना के विरोध में बजरंगदल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क जाम की गई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के बाद ट्रैफिक खोला था। वहीं, घटना से गुस्साए लोगों ने आरोपी निजामुद्दीन के घर के बाहर खड़ी कार और बाइक में आग लगा दी। इसके अलावा उनके घर का सामान भी जला दिया। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। पुलिस इलाके की ड्रोन से निगरानी कर रही है।

गृहसचिव ने बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी

कहा-वॉशरूम में पानी नहीं था, सड़क पर कूड़ा था

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे में प्रोटोकॉल फॉलो नहीं करने के मामले में केंद्र ने राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट मांगी है। सूत्रों के मुताबिक, गृह सचिव ने रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रपति के लिए बनाए गए वॉशरूम में पानी नहीं था। प्रशासन ने जो रास्ता चुना था, वह कचरे से भरा था। अधिकारियों के मुताबिक, यह रिपोर्ट आज गृह मंत्रालय को भेजने के निर्देश दिए गए। उधर, पीएम मोदी और भाजपा ने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया है। मोदी कहा था कि ये शर्मानाक, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। राष्ट्रपति मुर्मू को 7 मार्च को आदिवासी समुदाय के हर साल होने वाले प्रोग्राम 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में बुलाया गया था। कार्यक्रम सिलीगुड़ी के बिधाननगर में होना तय था। हालांकि सुरक्षा और दूसरे लॉजिस्टिक कारणों का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने जगह को बागडोगरा एयरपोर्ट के पास गोपालपुर में शिफ्ट कर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम स्थल बदले जाने पर नाराजगी जताई।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

कमल हासन ने ट्रम्प से कहा-अपने काम से काम रखो

नई दिल्ली। कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन लेटर लिखकर, उन्हें अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने दबे शब्दों में डोनाल्ड ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रशिया से तेल लेने की छूट दी है।

हिमाचल-विदर्भ में हीटवेव, महाराष्ट्र के अकोला में पारा 40.8 डिग्री

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। मार्च की शुरुआत के साथ ही देश के ज्यादातर हिस्सों में गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, पंजाब और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में पारा 35°C के पार पहुंच गया है। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से 8 से 12 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। कश्मीर घाटी में कुपवाड़ा, बांदीपोरा, गांदरबल और अनंतनाग के कुछ इलाकों में हल्की बर्फबारी और बारिश होगी। वहीं पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, केरल और आंध्र प्रदेश में बारिश की संभावना है।

मिसाइलों से उड़ा गुलाल, रंगीन हो गया आकाश

इंदौर/उज्जैन/भोपाल/ग्वालियर/जबलपुर। रंगपंचमी पर्व पर रविवार को मध्य प्रदेश रंगों और गुलाल से सराबोर रहा। इंदौर में टोरी कॉर्नर की गेर में तीन टैंकरों पर मिसाइलें लगाकर रंग बरसाया गया। ऑपरेशन सिंदूर की याद में टैंक से रंगीन पानी की बौछार की गई। नगर निगम की गेर में हाथी की प्रतिकृति की सूंड से रंगीन पानी लोगों पर डाला गया। इस दौरान इतना गुलाल उड़ा कि आकाश रंगीन नजर आने लगा।

ममता को जनता सबक सिखाएगी : पीएम मोदी

ये राष्ट्रपति का नहीं संविधान का अपमान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में देश और नारी शक्ति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान के लिए TMC को माफ नहीं करेगी, उन्हें जनता सबक सिखाएगी। PM नई दिल्ली में एक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में जो हुआ वो राष्ट्रपति का नहीं संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि अहंकार से भरा व्यक्ति, चाहे कितना भी ताकतवर क्यों न हो, आखिर में बर्बाद हो जाता है। दरअसल, शनिवार को पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर राष्ट्रपति ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री मुझे रिसीव करने आया।

पीएम के भाषण की 3 बड़ी बातें...

- AAP सरकार का तरीका काम कम और बहाने ज्यादा करने का था। लेकिन अब प्रोजेक्ट जमीन पर उतर रहे हैं।
- अब सरकार मिशन मोड में दिल्ली की समस्याओं का समाधान कर रही है।
- भारत में महिला सशक्तिकरण तेजी से आगे बढ़ रहा है।

लड़कियों को जल्द फ्री में स्कूटी बांटेंगे, रोजगार महाकुंभ में 5 हजार को जॉब मिलेगी

मंत्री का गाना सुन योगी बोले- लता मंगेशकर संन्यास ले लेतीं

- इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में महिला दिवस पर पिंक रोजगार महाकुंभ में पंजीकरण के लिए लगी लाइन।
- पंजीकरण के बाद इंटरव्यू के लिए अपनी बारी का इंतजार करती महिलाएं-युवतियां।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 'पिंक रोजगार महाकुंभ' के दौरान मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने CM योगी के लिए कुछ लाइनें गुनगुनाईं। 'उभरता राजनेता है, उभरता वो सितारा है, करोड़ों हृदय की धड़कन है, करोड़ों का सहारा है...' गाकर सुनाया। इस पर योगी ने कहा- प्रतिभा शुक्ला जी जब गाना गा रही थीं तो मैं सोच रहा था कि अच्छा हुआ कि अब गा रही हैं। वरना लता मंगेशकर जी संन्यास ले लेतीं। इसके बाद योगी खिलखिलाकर हंसे और बोले- स्वर साम्राज्ञी का खिताब तो आपको ही मिलना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा- वैसे अच्छा प्रयास है। जब कोई अपने अंदर की हिचक को दूर कर बोलता है, आत्मविश्वास तब झलकता है। दरअसल, योगी रविवार को IGP में महिला दिवस के प्रोग्राम में बोल रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बच्चियों को चेक बांटे। लाभार्थी के साथ आई एक बच्ची को टेडी बियर देकर दुलारा। चॉकलेट दी। कार्यक्रम में पहुंचीं युवतियों से बात की।

>> (शेष पेज 04 पर)

नौकरी के लिए संतकबीरनगर-अमौसी से आई युवतियां, 3 वीडियो देखिए

IGP में पिंक रोजगार महाकुंभ में लखनऊ समेत आस-पास के जिलों से महिलाएं-युवतियां आई हैं। अमौसी से आईं शुभी ने कहा- आज पहली बार नौकरी के लिए इंटरव्यू दूंगी। संतकबीरनगर से आईं नीतू ने कहा-यहां तक आने में दिक्कत हुई, लेकिन इंटरव्यू काफी अच्छा हुआ। आंचल ने बताया कि डिप्लोमा पूरा होने के बाद पहली बार नौकरी मिलेगी।

> सीएम योगी ने कहा- अगर नारी सुरक्षित है तो समाज सुरक्षित है। अगर बेटियां सम्मान पर रही हैं तो प्रदेश का हर व्यक्ति सम्मान पा रहा है। सीएम योगी बोले-बेटी किसी पर निर्भर नहीं रहेगी।

बेरूत के होटल को निशाना बनाया, हिजबुल्लाह ने जवाबी हमले का दावा किया

लेबनान में इजराइली हमले में 15 की मौत

जंग

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। लेबनान में शनिवार रात हुए इजराइल के हवाई हमलों में 15 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 15 लोग घायल हुए हैं। हमलों में राजधानी बेरूत के एक होटल को निशाना बनाया गया, जहां युद्ध के कारण विस्थापित लोग ठहरे हुए थे। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक होटल पर हुए हमले में चार लोगों की मौत हुई। वहीं जबल अल-बतूम और कफ़्र रुम्मान शहरों में हुए हमलों में पांच लोगों की जान गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश के कई अन्य हिस्सों में भी इजराइली एयर स्ट्राइक हुई हैं। इस बीच ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। संगठन ने कहा कि उसके लड़ाकों ने अल-मलिकिया सैन्य ठिकाने पर मौजूद इजराइली सैनिकों को रॉकेटों से निशाना बनाया। हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल के किरयात शमोना शहर पर कामीकाजे ड्रोन हमले का भी दावा किया। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। UAE के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश की एयर डिफेंस प्रणाली इन हमलों का जवाब दे रही है और कई मिसाइलों व ड्रोन को हवा में ही इंटरसेप्ट किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि कई इलाकों में सुनाई देने वाली तेज आवाजें एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा मिसाइल और ड्रोन को इंटरसेप्ट करने की वजह से हैं। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध के बीच इटली ने अपने 20 हजार नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। इटली के विदेश मंत्री एंतोनियो ताजानी ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से यह अभियान चलाया जा रहा था।

>> (शेष पेज 04 पर)

बहरीन का दावा- ईरान ने ड्रोन से जल संयंत्र पर हमला किया

बहरीन ने आरोप लगाया है कि ईरान ने ड्रोन हमले के जरिए देश के एक जल डिसैलिनेशन प्लांट को निशाना बनाया। बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान ने अंधाधुंध तरीके से नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया और ड्रोन हमले के बाद जल संयंत्र को नुकसान पहुंचा।

तेहरान में अमेरिकी-इजराइली हमले में मारी गई 2 साल की जैनब साहेबी का अंतिम संस्कार हुआ।

इजराइली सेना ने कहा है कि दक्षिणी लेबनान में सैन्य कार्रवाई के दौरान उसके एक सैनिक की मौत हो गई। मृत सैनिक की पहचान माहेर खतर (38) के रूप में हुई है। सेना के मुताबिक माहेर खतर इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के मजदल शम्स का रहने वाला था और वह कॉम्बैट इंजीनियरिंग कोर का सदस्य था।

सीएम ममता के धरने का तीसरा दिन

बोलीं- बीजेपी पर एक देश, एक नेता-एक पार्टी का पागलपन सवार

धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी है। TMC सुप्रीमो ने चुनाव आयोग को वैनिश कमीशन कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि BJP 'इलेक्टोरल रोल से सही वोटर्स के नाम हटाने के लिए वैनिश कमीशन का गलत इस्तेमाल' कर रही है। उनका यह कमेंट ऐसे दिन आया है जब चुनाव आयोग की पूरी बेंच राज्य विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए कोलकाता आने वाली है। ममता ने कहा - एक देश, एक नेता, एक पार्टी के पागलपन में, बनर्जी ने दावा किया कि BJP का आखिरी मकसद बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए गए संविधान को अपने पार्टी मैनिफेस्टो से बदलना है।

- ममता बनर्जी ने कोलकाता के एस्प्लेनेड में रविवार को तीसरे दिन धरना दिया।
- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धरना सभा में आदिवासी लोक नर्तकों के साथ थिरकते हुए नजर आईं।

सम्पादकीय

ईरान में सत्ता परिवर्तन के संकेत नहीं

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप का तर्क है कि वे वहां सत्ता बदलने के साथ ईरान की परमाणु हथियार निर्माण क्षमता खत्म करना चाहते हैं। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के साथ ही करीब 40 वर्षों से सत्ता पर काबिज एक कठोर मजहबी शासन के संचालक का अंत हो गया, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस देश में सत्ता परिवर्तन भी होने जा रहा है। फिलहाल इसके कोई संकेत नहीं। अमेरिका और इजरायल ईरान पर हमले के लिए चाहे जो तर्क दें, उसे वैध नहीं कहा जा सकता। यह वैसा ही मनमाना हमला है, जैसा वेनेजुएला में किया गया था। अमेरिका पिछले काफी समय से ईरान की घेरेबंदी के साथ ही उससे वार्ता भी कर रहा था। इस वार्ता के बीच ही उसने ईरान पर हमला कर दिया। ईरान अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों का जवाब देने में लगा हुआ है। वह इजरायल को निशाना बनाने के साथ ही पड़ोसी देशों सऊदी अरब, बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात आदि में अमेरिकी सैनिक ठिकानों के साथ इन देशों के नागरिक क्षेत्रों को भी निशाना बना रहा है। इससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। ईरान ने खाड़ी के देशों में मिसाइलें और ड्रोन दागने के साथ ही होर्मुज समुद्री जल मार्ग बंद कर दिया है। उसने इस जल मार्ग से निकलने की कोशिश कर रहे कुछ तेल टैंकरों पर भी हमला किया। होर्मुज जल मार्ग बंद होने से पश्चिम एशिया से आने वाले तेल एवं गैस की आपूर्ति रुक गई है। इस जल मार्ग से दुनिया के कुल उपभोग के लगभग एक चौथाई हिस्से की तेल एवं गैस की आपूर्ति होती है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से भारत समेत दुनिया के कई देशों को तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका गहरा गई है। यदि पश्चिम एशियाई देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहती है तो विश्व में ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है। ईरान पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों पर हमला कर और फिर होर्मुज जल मार्ग को बंद करके खुद को विश्व से अलग-थलग करने का ही काम कर रहा है। यदि उसने अपना रवैया नहीं बदला तो उसके प्रति जो थोड़ी-बहुत सहानुभूति है, वह खत्म होने में देर नहीं लगेगी, क्योंकि तेल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं और इससे दुनिया की बेचैनी बढ़ती जा रही है। इजरायल-अमेरिका और ईरान युद्ध ने भारत के सामने कूटनीतिक संतुलन साधने की चुनौती भी खड़ी कर दी है, क्योंकि उसके संबंध दोनों पक्षों से है। हालांकि भारत ने खामेनेई की मौत पर शोक व्यक्त किया है और लगातार ऐसे बयान दे रहा है कि किसी भी विवाद का समाधान संवाद से होना चाहिए, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि खामेनेई के नेतृत्व वाला ईरान का मजहबी शासन तंत्र निरंकुश था। वह अपने ही लोगों का दमन करने के लिए कुख्यात था। कुछ ही दिनों पहले उसकी पुलिस ने उन हजारों प्रदर्शनकारियों को मारा, जो उसकी नीतियों से नाराज होकर सड़कों पर उतरकर विरोध कर रहे थे।

खामेनेई के पूर्ववर्ती खुमैनी इस्लामिक क्रांति के नाम पर राजशाही को हटाकर ईरान की सत्ता पर काबिज हुए थे। उन्होंने अपने लोगों को कट्टर इस्लामिक तौर-तरीके अपनाने के लिए बाध्य किया। उनके निधन के बाद उनकी जगह कमान संभालने वाले खामेनेई भी उन्हीं के रास्ते पर चले। उनके सत्ता में रहते ईरान ने हमास, हिजबुल्ला, हाउती जैसे चरमपंथी गुटों को सहयोग और समर्थन दिया। ये सभी गुट इजरायल के लिए खतरा बने हुए हैं। ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका ने कई बार वहां के असंतुष्टों को विद्रोह के लिए उकसाया, पर वह सफल नहीं हो सका और दूसरी ओर ईरान ने इन असंतुष्टों का निर्ममता से दमन किया। हालिया विद्रोह को भी उसने निर्ममता से कुचला। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि खामेनेई की मौत के बाद उनका उत्तराधिकारी कौन बनेगा। इसमें संदेह है कि अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन करा सकेगा। यदि वह इसमें सफल नहीं हुआ तो ट्रंप के इरादों पर पानी ही फिरेगा। संदेह इस पर भी है कि इजरायल और अमेरिका ईरान की परमाणु हथियार निर्माण क्षमता खत्म कर सकेंगे। पिछले वर्ष जून में जब इन दोनों देशों ने ईरान पर हमला किया था, तब यह दावा किया था कि उसके परमाणु हथियार संबंधी तंत्र को ध्वस्त कर दिया गया। ईरान ने अपनी समस्या इसलिए बढ़ा ली है, क्योंकि एक तो वह परमाणु हथियार बनाने पर आमादा है और दूसरे इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की बातें करता रहता है। इस कारण पश्चिमी देश उससे सशंकित रहते हैं। ईरान कठोर अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करने के बाद भी न तो हमास, हिजबुल्ला जैसे गुटों को हथियार एवं पैसा देने की अपनी नीति छोड़ रहा है और न ही परमाणु हथियार बनाने के इरादे का परित्याग कर रहा है। इन प्रतिबंधों के चलते उसकी अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। वह इसके बाद भी अपना रवैया बदलने के लिए तैयार नहीं कि उसके समर्थक देश रूस और चीन उसकी एक सीमा से अधिक मदद करने में सक्षम नहीं। यह सही है कि खामेनेई की मौत से ईरानी जनता का एक वर्ग खुश है, लेकिन यह कहना कठिन है कि वह सत्ता परिवर्तन में सहायक बन सकेगा, क्योंकि ईरानी सेना और खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर की देश पर मजबूत पकड़ है। ऐसा लगता है कि अमेरिका ने बिना किसी ठोस रणनीति के ईरान पर हमला कर दिया।

कच्चा तेल खरीद में अमेरिका की 'दादागिरी क्यों?

> **अमेरिका लंबे समय से उन देशों पर दबाव बनाता रहा है जिनसे उसका राजनीतिक टकराव है। ऐसे में यदि कोई तीसरा देश उनसे तेल खरीदता है तो वह भी अमेरिकी प्रतिबंधों की जद में आ सकता है।**

तेल खरीद में अमेरिका की हमेशा से दादागिरी चलती आ रही है। वर्तमान में जब आठवें दिन इजरायल-ईरान के जंग के बीच जब कच्चा तेल महंगा और सप्लाई भी बंद हो जाती है ऐसे में अमेरिका द्वारा भारत को 30 दिन की मौहलत का आशय ? कूटनीतिक संदेश या दबाव ? । ऐसे समय में शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है। वैश्विक राजनीति में ऊर्जा हमेशा से शक्ति और दबाव का बड़ा हथियार रही है। हाल के घटनाक्रम में एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि दुनिया की महाशक्तियाँ तेल को केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि कूटनीतिक दबाव के औजार के रूप में भी इस्तेमाल करती हैं। अमेरिका द्वारा कुछ देशों से तेल खरीद को लेकर कड़े प्रतिबंधों की नीति और भारत को 30 दिन की मौहलत देना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका लंबे समय से उन देशों पर दबाव बनाता रहा है जिनसे उसका राजनीतिक टकराव है। ऐसे में यदि कोई तीसरा देश उनसे तेल खरीदता है तो वह भी अमेरिकी प्रतिबंधों की जद में आ सकता है।

यही कारण है कि भारत जैसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता देश को बार-बार संतुलन साधना पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए सस्ती और स्थिर आपूर्ति चाहता है जबकि अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश उसकी विदेश नीति के अनुरूप ही निर्णय लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक बाहरी ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी स्रोत से सस्ता तेल मिलता है तो उसे पूरी तरह छोड़ देना भारत के लिए आसान नहीं होता। यही वजह है कि अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने की कोशिश करता रहा है। भारत को दी गई 30 दिन की मौहलत दरअसल एक तरह का कूटनीतिक संदेश है। यह समय भारत को अपनी रणनीति तय करने के लिए दिया गया है, लेकिन इसके साथ ही यह संकेत भी है कि आगे अमेरिका इस मुद्दे पर और सख्ती दिखा सकता है। यह स्थिति भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण संतुलन का सवाल बन जाती है—एक तरफ रणनीतिक साझेदारी और दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि वैश्विक राजनीति में प्रतिबंधों की यह संस्कृति धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। बड़ी शक्तियाँ आर्थिक ताकत का इस्तेमाल करके दूसरे देशों के निर्णयों को प्रभावित करना चाहती हैं।

इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े होते हैं। भारत को इस परिस्थिति में अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाना होगा। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, नए तेल आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करना और रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना समय की मांग है। साथ ही, कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को स्पष्ट करना होगा कि उसकी ऊर्जा जरूरतों पर किसी बाहरी दबाव का असर सीमित ही हो सकता है। अंततः, यह प्रकरण केवल तेल खरीद का नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का भी संकेत है। भारत जैसे उभरते हुए देश के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए अंतरराष्ट्रीय दबावों का समझदारी से सामना करे। तभी वह अपनी विकास यात्रा को बिना बाधा के आगे बढ़ा पाएगा। वहीं अगर ईरान-इजरायल युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य संघर्ष केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है। युद्ध के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से उछलने लगी हैं। अगर यह युद्ध जल्द नहीं थमा, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है। दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य पर मंडरा रहा है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति गुजरती है। यदि इस मार्ग में व्यवधान आता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है, तो वैश्विक तेल बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।हाल के दिनों में इसी आशंका के कारण तेल बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रिपोर्टों के मुताबिक युद्ध के कुछ ही दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और यह लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सबसे तेज साप्ताहिक बढ़ोतरी में से एक है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद हुआ या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई, तो तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इससे वैश्विक महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत बढ़ेगी और कई देशों की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होगी। भारत जैसे देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो सकता है क्योंकि भारत अपनी लगभग 90 प्रतिशत तेल जरूरतें आयात से पूरी करता है और उसका बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। ऐसे में तेल महंगा होने का मतलब है—पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई का दबाव और सरकारी वित्त पर अतिरिक्त बोझ।स्पष्ट है कि ईरान-इजरायल युद्ध केवल दो देशों का सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बन चुका है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जल्द से जल्द तनाव कम करने की दिशा में काम करना होगा। यदि युद्ध की आग फैलती है, तो उसका धुआं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को घेर सकता है—और कच्चे तेल की कीमतें इसका सबसे बड़ा संकेत होंगी। अतः युद्ध जितना लंबा चलेगा, तेल बाजार उतना अस्थिर होगा। इसलिए शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

सौरभ वार्ष्णेय

जन सुराज का...

राजेश श्रीवास्तव

भारत के सामने मंड़रा रहा तेल गैस और खाद्यान्न का संकट

पश्चिम एशिया में ईरान पर अमेरिका-इज़राइल हमले के बाद बढ़ते युद्ध पर भारत ने अभी तक खामोशी ओढ़ रखी थी लेकिन अब स्थिति मुखर होने को आ गयी है क्योंकि भारत के सामने बड़ा संकट मुंह बाये खड़ा है। यह बात दूसरी है कि भारत अभी भी बच-बचा कर निकलने की रणनीति पर चल रहा है। कल अमेरिका ने जब भारत को रूस से तेल खरीदने की 30 दिन की मोहलत दी तो भारत खामोश रहा लेकिन जब विपक्ष ने हंगामा काटा तो करीब 20 घंटे बाद भारत ने अपना मुंह खोला कि हमको किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है, हमें जहां से सस्ता तेल मिलेगा, वहां से खरीदेंगे लेकिन भारत ने अभी भी साफ नहीं किया है कि वह रूस से अभी कितना तेल खरीद रहा है। वहीं भारत में महंगाई भी सिर उठाने लगी है। रसोई गैंस के घरेलू और कामर्शियल सिलेंडरों में आशातीत बढ़ोतरी के चलते अब आम आदमी इस युद्ध की तपिश से झुलसने लगा है। भारत के सामने केवल महंगी गैस ही नहीं बल्कि तेल के दामों में भी बढ़ोत्तरी की आंशका बलवती होती दिख रही है। इसी के चलते खाद्यान्न संकट भी गहरायेगा, यह निश्चित दिखायी पड़ रहा है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के चलते पश्चिम एशिया के हालात बिगड़ सकते हैं। इस युद्ध का असर तेल और गैस आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। कई देशों को खाद्य असुरक्षा और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। यूक्रेन और रूस युद्ध के समय भी स्थिति बिगड़ी थी। ईरान-इजरायल युद्ध के चलते पश्चिम एशिया के हालात की वजह से तेल और गैस आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। इसका नतीजा मार्केट पर दिखने लगा है लेकिन, इसके बीच एक और संकट गहरा रहा है - उर्वरक आपूर्ति में कमी। अगर यह बाधा लंबे समय तक जारी रहती है तो दुनिया को खाद्य असुरक्षा और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। पश्चिम एशिया दुनिया का एक बड़ा उर्वरक उत्पादक क्षेत्र है। वैश्विक यूरिया निर्यात का लगभग 35% होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। इसी रास्ते से दुनिया का 45% सल्फर भी ट्रांसपोर्ट होता है। यूरिया सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला फर्टिलाइजर है, जिसकी वजह से दुनिया का करीब आधा अनाज पैदा होता है। होर्मुज पर ईरान की पहरेदारी के चलते शिपमेंट का आना-जाना बंद है और हर बीतते दिन के साथ सप्लाई चेन टूट रही है। करीब 4 साल पहले, जब यूक्रेन और रूस युद्ध शुरू हुआ था, तब भी इसी तरह की सिचुएशन बनी थी। उस वक्त दो बड़े झटके लगे थे - गेहूं की आपूर्ति में कमी और फर्टिलाइजर्स की कीमतों में तेज उछाल। यूक्रेन और रूस मिलकर गेहूं का करीब 30% ग्लोबल एक्सपोर्ट करते हैं, जिस पर उस समय एकदम से रोक लग गई थी हालांकि तब जल्द ही रूस से दोनों चीजों का निर्यात जारी रहा। वहीं, भारत जैसे देशों ने गेहूं निर्यात बढ़ा दिया। लेकिन, इस बार सीधे समुद्री मार्ग बाधित होने से स्थिति दूसरी है। ईरान ने जिस तरह से दूसरे अरब देशों में मौजूद फैसिलिटीज को निशाना बनाया है उससे भी असर पड़ा है। समुद्र के रास्ते होने वाले यूरिया के कुल व्यापार की हिस्सेदारी लगभग 10% है। इसके एक कॉम्प्लेक्स पर दो दिन पहले ड्रोन अटैक हुआ था जिसके बाद कंपनी ने सल्फर, अमोनिया और यूरिया का प्रॉडक्शन रोक दिया है। ईरान और सऊदी अरब की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। फर्टिलाइजर मार्केट शुरू से बेहद संवेदनशील रहा है। चीन जैसे मुल्क अपनी जरूरत को देखते हुए ग्लोबल सप्लाई को प्रभावित करते हैं। नैचुरल गैस भी बड़ा फैक्टर है, जिसकी जरूरत फर्टिलाइजर प्रॉडक्शन में पड़ती है और जिसमें कमी आई है। भारत ने पिछले साल अप्रैल से नवंबर के बीच रेकॉर्ड 7० लाख टन यूरिया आयात किया था। देश अपनी जरूरत का करीब 4०% फर्टिलाइजर पश्चिम एशिया से मंगाता है, यानी उसके लिए स्थिति ज्यादा गंभीर है। अगर किसानों को समय से उर्वरक नहीं मिले, तो असर पहली फसल के साथ ही नजर आने लगेगा। तीन मार्च को वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच की इकाई बीएमआई ने 'इंडिया आउटलुक' रिपोर्ट में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई लागत महंगी होने और आपूर्ति श्रृंखला के टूटने जैसे चिंताजनक हालातों से भारत के निर्यात और निवेश पर असर होगा। रिपोर्ट के अनुसार, यदि कच्चे तेल की कीमतों में 1० प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो भारत की जीडीपी में लगभग ०.3 से ०.6 प्रतिशत तक कमी आ सकती है और निर्यात क्षेत्र की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने निर्यात से जुड़े मंत्रालयों, निर्यातक संगठनों व शिपिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक कर निर्यातकों को सहयोग देने के लिए बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क स्थापित की और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति व भंडार की निगरानी के लिए चौबीसों घंटे काम करने वाला कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। ईरान ने वैश्विक शिपिंग मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य बंद कर दिया है। इस मार्ग से दुनिया के लगभग 2० प्रतिशत कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होती है।

ईसाई धर्म में...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

इस्लाम की उप-शाखाएं, सत्ता का संघर्ष और वैश्विक शांति की राह

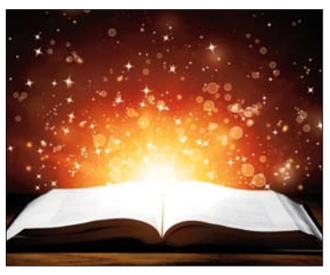

धर्म और आस्था सदैव से मानवीय चेतना का आधार रहे हैं लेकिन समय के साथ एक ही विचार की कई धाराएं बन जाती हैं। जैसे एक ही वृक्ष से निकली विभिन्न शाखाएं अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं, वैसे ही दुनिया के हर बड़े धर्म में उप-संप्रदाय विकसित हुए। ईसाई धर्म में जहाँ 'कैथोलिक' और 'प्रोटेस्टेंट' के बीच ऐतिहासिक संघर्ष रहे, वहीं बौद्ध धर्म 'हीनयान' और 'महायान' में बँटा। जैन धर्म में 'दिगंबर' और 'श्वेतांबर' की अपनी परंपराएं हैं। यह विभाजन अक्सर मूल सिद्धांतों पर नहीं बल्कि उत्तराधिकार और व्याख्याओं के मतभेद से उत्पन्न होता है। इस्लाम धर्म भी इसका अपवाद नहीं है जहाँ 'सुन्नी' और 'शिया' दो ऐसी धाराएं हैं जिनका इतिहास आज पूरी दुनिया की राजनीति को प्रभावित कर रहा है। इस्लाम में इस विभाजन की नींव पैगंबर मोहम्मद के बाद उनके उत्तराधिकार के प्रश्न पर पड़ी। सुन्नी समुदाय, जो कुल मुस्लिम जनसंख्या का लगभग 85 से 90 प्रतिशत है, 'सुन्ना' यानी पैगंबर की परंपराओं में विश्वास रखता है। उनका मानना है कि पैगंबर के बाद समुदाय के सबसे योग्य व्यक्ति (खलीफा) को नेतृत्व करना चाहिए था। इसके विपरीत शिया समुदाय का मानना है कि नेतृत्व का अधिकार केवल पैगंबर के परिवार, विशेषकर उनके दामाद हजरत अली और उनके वंशजों को ही था। आज ये दोनों समुदाय दुनिया भर में फैले हुए हैं। सुन्नी जनसंख्या मुख्य रूप से इंडोनेशिया (लगभग 23 करोड़), पाकिस्तान (20 करोड़), सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों में बहुसंख्यक है। वहीं, शिया समुदाय ईरान (लगभग 8 करोड़), इराक, अजरबैजान और बहरीन जैसे देशों में प्रमुखता से है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब हम ईरान और मध्य-पूर्व के युद्धों को देखते हैं तो यह केवल धार्मिक मतभेद नहीं रह जाता। ईरान आज दुनिया का सबसे शक्तिशाली शिया राष्ट्र है जबकि सऊदी अरब खुद को सुन्नी जगत का केंद्र मानता है। इनके बीच का संघर्ष असल में 'क्षेत्रीय वर्चस्व' की लड़ाई है। ईरान अपना प्रभाव इराक, सीरिया और यमन तक बढ़ाना चाहता है जिसे सुन्नी देश अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानते हैं हालांकि, इतिहास में शांति की कोशिशें भी हुई हैं। सन 1990 के दशक में सऊदी अरब और ईरान के बीच संबंधों को सुधारने के लिए 'अकबा समझौता' हुआ था, और हाल ही में 2023 में चीन की मध्यस्थता से दोनों देशों ने अपने राजनयिक संबंध फिर से बहाल किए हैं। ग्लोबल शांति की स्थापना के लिए सबसे पहले धर्म को सत्ता की राजनीति से अलग करना होगा। जब तक राजनेता आम जनता की धार्मिक भावनाओं को युद्ध के लिए उकसाएंगे, शांति संभव नहीं है। दुनिया को एक ऐसे मंच की जरूरत है जहाँ सुन्नी और शिया नेतृत्व आपसी संवाद से उन ऐतिहासिक घावों को भर सकें। दुखद है कि कथित रूप से स्व घोषित वैश्विक नेतृत्व संभाले हुए एक चुने हुए सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश के नेता समस्या से स्वयं अपना राजनैतिक लाभ उठाने के चक्कर में युद्ध भड़काने में अधिक प्रभावी भूमिका निभाते दिखते हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

तो क्या इस युद्ध को अमेरिकी साम्राज्यवाद के पतन की पटकथा मान लेनी चाहिए?

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका ने मध्य पूर्व की राजनीति, सुरक्षा व्यवस्था और ऊर्जा भू-राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई है। तेल संसाधनों की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और अपने प्रमुख सहयोगियों की रक्षा जैसे कारणों से अमेरिका लंबे समय तक इस क्षेत्र का सबसे प्रभावशाली बाहरी खिलाड़ी बना रहा लेकिन 21वीं सदी के तीसरे दशक में यह प्रश्न अधिक गंभीरता से उठने लगा है कि क्या मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभुत्व का युग समाप्त हो रहा है या केवल उसका स्वरूप बदल रहा है। ऊपर जो प्रश्न उठाए गए हैं, उसका उत्तर सामान्य तरीके से देना कठिन है। जितनी जटिलता मध्य पूरव में दिखती है, उतना ही जटिल इसका उत्तर भी है। मसलन, मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव का निर्माण कई दशकों की रणनीतिक नीतियों का परिणाम है। अमेरिका ने क्षेत्र के कई देशों के साथ सुरक्षा समझौते किए और सैन्य ठिकाने स्थापित किए। विशेष रूप से इज़राइल के साथ उसकी घनिष्ठ रणनीतिक साझेदारी ने क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित किया। इसके अलावा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा और रक्षा सहयोग ने भी अमेरिका की स्थिति को मजबूत बनाया। लंबे समय तक तेल आपूर्ति की सुरक्षा और समुद्री मार्गों की रक्षा अमेरिकी नीति के प्रमुख उद्देश्य रहे। हाल के वर्षों में वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। अन्य बड़ी शक्तियाँ भी मध्य पूर्व में सक्रिय हो गई हैं। विशेष रूप से चीन और रूस ने इस क्षेत्र में अपने आर्थिक, कूटनीतिक और सुरक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके साथ ही शीत युद्ध के समय सोवियत रूस के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में आया सैन्य संगठन नाटो के सदस्य देशों में भी अविश्वास पैदा हुआ है। यह अविश्वास अमेरिकी नेतृत्व के द्वारा एक पक्षीय निर्णय और दादागीरी से उत्पन्न हुआ है। हाल के वर्षों में अमेरिकी नेतृत्व ने उग्र राष्ट्रवाद का परिचय देते हुए कई ऐसे निर्णय लिए जिसके कारण उसके पश्चिमी सहयोगियों में भारी असंतोष उत्पन्न हुआ है। यहां तक कि अमेरिकी नेतृत्व अब सहयोगियों के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ भी निर्णय लेने लगा है। इधार मध्य पूर्व के देशों में अमेरिकी दादागीरी को लेकर गोलबंदी प्रारंभ हो गयी थी। मध्य पूर्व के देश अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों को अपनी-अपनी सीमा से बाहर करना चाहते हैं। यहां तक कि इजरायल को भी अब्राहिमिक गोलबंदी में अमेरिकी हस्तक्षेप एक रोड़ा ही लगता है। दूसरी ओर चीन ऊर्जा आयात और बुनियादी ढाँचे में निवेश के माध्यम से क्षेत्रीय देशों के साथ गहरे आर्थिक संबंध स्थापित कर रहा है। यही नहीं रूस ने सुरक्षा सहयोग और सामरिक साझेदारी के माध्यम से मध्य पूरव में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का प्रयास किया है। इन परिवर्तनों ने मध्य पूर्व को धीरे-धीरे एक बहुध्रुवीय प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बना दिया है। मध्य पूर्व के कई देश अब केवल एक महाशक्ति पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति अपनाने लगे हैं। वे अमेरिका के साथ पारंपरिक सुरक्षा सहयोग बनाए रखते हुए चीन और रूस के साथ भी आर्थिक और तकनीकी संबंध विकसित कर रहे हैं। साथ ही अमेरिकी सैन्य ठिकानों को अपने-अपने देश से हटाना चाहते हैं। यह रणनीति उन्हें वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच अधिक स्वतंत्रता और विकल्प प्रदान करती है। परिणामस्वरूप, क्षेत्रीय देश अब पहले की तुलना में अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी विदेश नीति तय कर रहे हैं। वैसे एकदम से ऐसा कहना कि मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव कम हो जाएगा, फिलहाल जल्दबाजी होगी लेकिन उसके संकेत मिलने लगे हैं। मध्य पूर्व की वर्तमान स्थिति को समझने के लिए यह मानना अधिक उचित होगा कि यहाँ अमेरिकी प्रभाव समाप्त नहीं हो रहा, बल्कि उसका पुनर्संतुलन हो रहा है। अमेरिका अभी भी क्षेत्र की प्रमुख सैन्य और कूटनीतिक शक्तियों में से एक है लेकिन अब उसे अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना पड़ेगा। ईरान युद्ध अमेरिकी प्रभाव को कम करेगा या बढ़ाएगा, इसका अंदाजा फिलहाल लगाना कठिन है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, वह अमेरिकी कूटनीति के लिए जटिल जरूर है। अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध में सबसे चौकाने वाला परिणाम यह है कि जहां एक ओर अमेरिका का धुर सहयोगी, युनाइटेड किंगडम, फ्रांस और स्पेन ने अमेरिकी आक्रमण का विरोध किया है, वहीं दूसरी ओर मध्य पूर्व के वे तमाम देश, जिन पर ईरान ने मिसाइल दागे, उन्होंने वापस ईरान पर हमला नहीं किया बल्कि कुवैत ने तो कुछ अमेरिकी विमान को मार गिराया है। इसे अमेरिकी कूटनीति की हार ही कहा जाना चाहिए। मध्य पूर्व की भू-राजनीति आज पहले से अधिक जटिल और बहुध्रुवीय हो चुकी है। अमेरिकी प्रभुत्व पूरी तरह समाप्त होता हुआ नहीं दिखता लेकिन यह स्पष्ट है कि क्षेत्रीय देशों के पास अब पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अधिक संतुलित कूटनीति अपनाने लगे हैं। भविष्य में मध्य पूर्व की स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि वैश्विक और क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग के रास्ते को कितना मजबूत कर पाती हैं। यदि संतुलित कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है तो यह क्षेत्र संघर्ष के बजाय सहयोग का नया मॉडल भी बन सकता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए, न्यूजीलैंड विमेंस से बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस

अमीलिया कर ने 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

- अमीलिया कर की बॉलिंग के सामने जिम्बाब्वे 29.1 ओवर में ऑलआउट हो गई।
- अमीलिया कर वनडे पारी में 7 विकेट लेने वालीं 7वीं ही महिला क्रिकेटर बनीं।

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान अमीलिया कर ने रविवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में कर ने महज 34 रन देकर 7 विकेट झटके। यह न्यूजीलैंड विमेंस के लिए वनडे क्रिकेट में अब तक की बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है। अमीलिया कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 विकेट लेकर जैकी लॉर्ड का 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। जैकी ने 1982 के विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महज 10 रन

देकर 6 विकेट लिए थे। तब से कोई भी कीवी गेंदबाज एक पारी में 7 विकेट नहीं ले पाई थीं। न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 102 रन ही बना पाई। ओपनर केलिस एनध्लोवु ने 12 और विकेटकीपर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 32 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। वहीं औड्रे माज्विशाया ने 13 और तेंदाई माकुशा ने 12 रन बनाकर जिम्बाब्वे को किसी तरह 100 रन के पार कराया। न्यूजीलैंड के लिए मौली पेनफोल्ड ने जिम्बाब्वे के टॉप ऑर्डर को तोड़ते हुए शुरुआती 3 विकेट लिए। इसके बाद कर ने मोर्चा संभाला और एक के बाद एक 7 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ब्री इलिंग, रोजमेरी मेयर और नेन्सी पटेल कोई विकेट नहीं ले पाईं। न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे 8 विकेट से जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने पहला मैच 180 रन से जीता था। तीसरा मैच 11 मार्च को डुनेडिन में ही खेला जाएगा। इससे पहले व्हाइटफर्न्स ने टी-20 सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। अमीलिया कर प्लेयर ऑफ द सीरीज चुनी गई थीं।

दुनिया की 7वीं गेंदबाज बनीं अमीलिया

अमीलिया कर दुनिया की 7वीं ही गेंदबाज बनीं, जिन्होंने एक विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए। इस क्लब में पाकिस्तान की साजिदा शाह, ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी, अलाना किंग, शेली निशके, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और इंग्लैंड की जो चेम्बरलैन शामिल हैं।

17 ओवर में जीत गई न्यूजीलैंड विमेंस

103 रन का टारगेट न्यूजीलैंड विमेंस ने 16.2 ओवर में ही चेज कर लिया। कप्तान अमीलिया कर ओपनिंग करने उतरीं और 40 गेंद पर 45 रन बनाए। विकेटकीपर इजाबेला गेज 20 रन बनाकर आउट हुईं। आखिर में मैडी ग्रीन ने 27 और ब्रूक हालिडे ने 7 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। जिम्बाब्वे से औड्रे माज्विशाया और क्रिस्टाबेल चाटोन्ज्वा ने 1-1 विकेट लिया।

अमीलिया कर ने बैटिंग में 45 रन भी बनाए, वे प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं।

न्यूजीलैंड विमेंस पेसर ली ताहूहू का वनडे क्रिकेट से संन्यास

कहा- टी-20 वर्ल्ड कप अगला टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहूहू ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 35 साल की ताहूहू ने अपने 15 साल लंबे वनडे करियर पर ब्रेक लगाया। वे टी-20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी, उन्होंने कहा कि उनका टारगेट इस साल जून में होने वाला वर्ल्ड कप है। ताहूहू ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। तब से वे कीवी टीम के बॉलिंग डिपार्टमेंट को लीड कर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। इस मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 1 विकेट लिया। सबसे ज्यादा विकेटः वे न्यूजीलैंड की ओर से वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 103 मैचों में 125 विकेट झटके। 100 मैचों का क्लबः वे न्यूजीलैंड की उन चुनिंदा 12 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 100 से ज्यादा वनडे मैच खेले। सपना

सच होने जैसा रहा सफर- ताहूहू संन्यास की घोषणा करते हुए ताहूहू भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, रव्हाइटफर्न्स के लिए वनडे खेलना हमेशा गर्व की बात रही। जब मैंने शुरुआत की थी, तो एक मैच खेलना भी बड़ी बात थी, लेकिन अपने देश के लिए 100 से ज्यादा मैच खेलना मेरे लिए सपने जैसा है। मैं इस सफर की हर याद को संजोकर रखूंगी।र वनडे को अलविदा कहने के बाद अब ताहूहू का पूरा ध्यान टी-20 फॉर्मेट पर है। न्यूजीलैंड की टीम मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैंपियन है और इस साल जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अपने खिताब को डिफेंड करने उतरेगी।

फास्ट न्यूज़

कमल हासन ने ट्रम्प से कहा-अपने काम से काम रखो

मुंबई। कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन लेटर लिखकर, उन्हें अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने दबे शब्दों में डोनाल्ड ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रशिया से तेल लेने की छूट दी है।

काम और परिवार में संतुलन जरूरी, अपनी शर्त रखने की आजादी होनी चाहिए

बॉलीवुड में इन दिनों एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग को लेकर बहस तेज है। इसी मुद्दे पर अब करीना कपूर खान ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। करीना ने कहा कि किसी भी कलाकार को अपनी जरूरतों के अनुसार काम की शर्तें तय करने की आजादी होनी चाहिए, खासकर तब जब वह परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी भी निभा रहा हो। द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में करीना कपूर ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। अगर कोई अभिनेत्री अपने बच्चों के साथ समय बिताने के लिए सीमित घंटे काम करना चाहती है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी शर्तें तभी सही रहती हैं जब फिल्म शुरू होने से पहले ही प्रोड्यूसर्स और टीम को साफ-साफ बता दिया जाए।

ईरान में इजराइली हमलों के बाद काली बारिश हुई

तेहरान/तेल अवीव। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का रविवार को नौवां दिन है। जंग की वजह से ईरान के कई शहरों में भयंकर तबाही हुई है और 1400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। लोग अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर शरण लेने को मजबूर हैं। वहीं, दुनियाभर में इस जंग के खिलाफ और समर्थन में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। ब्रिटेन में ईरान समर्थकों और अमेरिका समर्थकों ने शनिवार को एक ही दिन मार्च निकाला।

तलाक विवाद पर थलापति विजय का पहला रिएक्शन

कहा- जो दिक्कत है, उसकी चिंता मत करिए, मैं इसे संभाल लूंगा

मुंबई। साउथ एक्टर और राजनेता थलापति विजय इन दिनों तलाक के चलते विवादों में हैं। उनकी पत्नी ने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाते हुए तलाक की अर्जी दी है और अब एलीमनी की भी चर्चा है। इसी बीच एक्टर ने पहली बार इस पूरे विवाद पर पब्लिकली बात की है। उन्होंने फैंस से कहा है कि उनकी निजी जिंदगी में चल रहीं समस्याएं वो खुद हल कर लेंगे, इसमें समय बर्बाद करने की जरुरत नहीं है। थलापति विजय हाल ही में चेन्नई में अपनी पॉलिटिकल पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम के महिला दिवस इवेंट में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद सभी फैंस को संबोधित करते हुए तलाक के विवाद पर कहा, "हाल ही में मेरे आसपास जो समस्याएं चल रही हैं, प्लीज उनकी चिंता मत कीजिए। वे बातें आपके समय के लायक नहीं हैं। मैं उन्हें खुद

संभाल लूंगा।" थलापति विजय की पत्नी संगीता सोरनालिंगम ने हाल ही में तलाक की अर्जी दी है। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि विजय का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है, जो उनके तलाक की वजह है। थलापति विजय का नाम लंबे समय से साउथ एक्ट्रेस त्रिषा के साथ जोड़ा जा रहा है।

आगे एक्टर ने कहा, "मुझे सबसे ज्यादा दुख तब होता है जब मैं देखता हूं कि मेरी वजह से आप उदास या परेशान हो जाते हैं। बोझ अपने ऊपर मत लीजिए।"

अनिल कपूर की एक्टिंग को लेकर कहा-वे हर किरदार में अपना पूरा दम लगा देते हैं

शाहरुख खान ने फिल्म सूबेदार की तारीफ की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता Shah RUKH KHAN ने अभिनेता Anil KAPOOR की फिल्म Subedaar की जमकर सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म और कलाकारों के अभिनय की तारीफ की। यह फिल्म 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म Amazon PRIME VIDEO पर रिलीज हुई है। फिल्ममेकर Anurag KASHYAP ने भी फिल्म की सराहना की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'सूबेदार' को सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए था। उनके अनुसार फिल्म को बड़े पर्दे के लिए अनामॉर्फिक फॉर्मेट में शूट किया गया है। फिल्म की कहानी रिटायर्ड सैनिक अर्जुन मौर्य के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार अनिल कपूर ने निभाया है। मध्य प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में दिखाया गया है।

"अनुराग कश्यप ने कहा कि निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने फिल्म में बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्र के सामाजिक माहौल को प्रभावी ढंग से दिखाया है, जहां पितृसत्ता और सामाजिक ढांचे की झलक देखने को मिलती है।"

अनिल कपूर के अभिनय को बताया प्रेरणादायक

शाहरुख खान ने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्होंने 'सूबेदार' को पूरी तरह एंजॉय किया। उन्होंने कहा कि अनिल कपूर हर किरदार में अपना पूरा दम लगा देते हैं और उनका शांत लेकिन प्रभावी अभिनय हमेशा प्रेरणादायक रहता है। उन्होंने फिल्म के एक्शन सीन की भी सराहना की।

अन्य कलाकारों के काम की भी सराहना

शाहरुख खान ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ की। उन्होंने Aditya Rawal, Saurabh Shukla, Mona Singh, Faisal Malik और Radhika Madan के अभिनय को शानदार बताया और कहा कि सभी कलाकारों ने अपने किरदारों को अलग अंदाज में निभाया है।

न झुकीं, न डरीं, ईरान में अपने हक के लिए महिलाओं की जंग 47 साल से जारी है

दो जांबाज ईरानी महिलाओं ने साझा किया दमन का दौर

तेहरान, एजेंसी

ईरानी महिला अधिकार एक्टिविस्ट मसीह अलीनेजाद कहती हैं- ईरान में जारी युद्ध और संघर्ष पर हमें दर्द भी है और उम्मीद भी। मैं नहीं चाहती कि किसी निर्दोष नागरिक को नुकसान पहुंचे। ईरानी लोगों का संदेश है कि हमें इस घायल और खूंखार शासन के भरोसे अकेला न छोड़ें। इस काम को पूरा करें (शासन परिवर्तन), वरना ये लोग निहत्थे मासूमों से बदला लेंगे। यह ईरान के लिए 'बर्लिन की दीवार' गिरने जैसा पल है। ईरान की 'मॉरैलिटी पुलिस' के डीएनए में ही महिलाओं को पीटना शामिल है। अनिवार्य हिजाब सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि महिलाओं के दमन का प्रतीक है। अगर हम इस दीवार को गिरा देते हैं, तो यह कट्टरपंथी शासन खत्म हो जाएगा। मैं हिजाब के खिलाफ नहीं हूं,

बल्कि 'जबरदस्ती' के खिलाफ हूं। महिलाओं को चुनने का हक होना चाहिए। मुझे 1994 में 18 की उम्र में सरकार विरोधी पर्चे बांटने पर गिरफ्तार किया गया था। 2007 में देश छोड़ना पड़ा। 2014 में मैंने 'माई स्टेल्थी फ्रीडम' नाम से फेसबुक पेज शुरू किया, जहां ईरानी महिलाएं बिना हिजाब और अपने संघर्ष की तस्वीरें निडर होकर साझा करती हैं। 80% ईरानी बदलाव चाहते हैं। इस्लामी गणराज्य ने हमसे सब कुछ छीन लिया है, सिवाय उम्मीद के। संसद की 299 सीटों में से 9 पर ही महिलाएं हैं और वे भी शासन की समर्थक हैं, न कि महिलाओं की रक्षक। इस बार शासन के खिलाफ प्रदर्शनों में मध्यम वर्ग और छात्र शामिल हैं। वर्तमान बदलाव उम्मीद जगाता है। सिर्फ मैं ही नहीं, ज्यादातर ईरानी खुश हैं। इस शासन ने मेरे लोगों को मारा और फांसी पर लटकाया है। ईरान में लोग खुशी से नाच रहे थे और उन प्रियजनों की कब्रों पर गए, जिन्हें शासन ने मार दिया था। मेरी दो बहनें, जिन्हें शासन ने अंधा कर दिया था, वे भी सड़कों पर खुशी से झूम उठीं। मैं और मेरी जैसी लाखों महिलाएं न झुकीं और न ही डरीं। संघर्ष जारी है और रहेगा।

ईरानी एक्टिविस्ट और आर्टिस्ट फरीबा नजेमी कहती हैं- ईरान में इस्लामी क्रांति के पहले महिलाएं स्वतंत्र थीं। 1979 से ही अनिवार्य हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया था। 2017 में एक महिला ने सफेद दुपट्टा लहराकर विरोध दर्ज किया तो 2022 में 'वुमन लाइफ फ्रीडम' में महिलाएं सड़कों उतरीं। हकों की यह लड़ाई जारी रहेगी। क्रांति से पहले ईरान की पहचान धर्म के आधार पर तय नहीं होती थी। अधिकतर लोग खुद को सबसे पहले मुसलमान के रूप में पेश नहीं करते थे। समाज खुला था और जीवन शैली में विविधता थी, लेकिन 47 साल पहले 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद समाज पर शरीयत कानून लागू कर दिया गया। उस समय मैं बहुत युवा थी।

खामेनेई की मौत पर अमेरिका में लगा था सट्टा

498 करोड़ का खेला था दांव, अब साइट ने भुगतान रोका, नियमों को लेकर विवाद

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई को लेकर अमेरिकी प्रेडिक्शन मार्केट साइट काल्शी पर 498 करोड़ रु. का दांव लगाया गया। यह न्यूयॉर्क स्थित कंपनी है, जहां लोग चुनाव, युद्ध और वैश्विक घटनाओं के नतीजों पर पैसे लगाते हैं। खामेनेई की मौत के बाद कई यूजर्स ने खुद को विजेता मान लिया। एक कारोबारी ने 3.19 लाख रुपए लगाए थे और उसे 58 लाख रुपए मिलने की उम्मीद थी, लेकिन कुछ ही मिनट बाद साइट ने ट्रेड रोक दिया। कंपनी ने कहा कि उसके नियम किसी व्यक्ति की मौत से जुड़े दांव पर भुगतान की अनुमति नहीं देते। विवाद बढ़ने पर काल्शी ने दांव लगाने वालों को पैसा और फीस लौटाने का फैसला

किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ऐसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं जिन्होंने स्पष्ट जनसमर्थन के बिना युद्ध शुरू किया। आम तौर पर जब कोई अमेरिकी राष्ट्रपति युद्ध शुरू करता है तो शुरुआती दौर में जनता उसके पीछे खड़ी (रैली अराउंड द प्रेसिडेंट) हो जाती है। ताजा सर्वे के मुताबिक ईरान पर हमले को सीमित समर्थन मिला है। रॉयटर्स-इप्सोस सर्वे में केवल 27% अमेरिकियों ने कार्रवाई का समर्थन किया, जबकि 43% इसके विरोध में रहे। सीएनएन के सर्वे में समर्थन करीब 41% रहा। अमेरिका में लगभग 8 माह बाद मध्यावधि चुनाव होने हैं। वहीं CNN के एक अन्य सर्वे में हमले के समर्थन में करीब 41 प्रतिशत लोग सामने आए। अमेरिका में करीब आठ महीने बाद मध्यावधि चुनाव होने हैं, ऐसे में यह मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बन सकता है। हालिया सर्वे के अनुसार ईरान पर हमले को अमेरिका में सीमित समर्थन मिला है। Reuters और Ipsos के सर्वे में केवल 27 प्रतिशत अमेरिकियों ने कार्रवाई का समर्थन किया, जबकि 43 प्रतिशत लोगों ने इसका विरोध किया।

राहत : भारत के पास 4,000 करोड़ लीटर तेल, सरकार बोली ये 8 हफ्तों के लिए काफी

देश में पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के दौरान भारत को कच्चे तेल की कमी नहीं होगी। भारत के पास अभी कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का 25 करोड़ बैरल (लगभग 4,000 करोड़ लीटर) से ज्यादा का स्टॉक है। सरकार की रिपोर्ट के अनुसार यह बैकअप इतना है कि अगर सप्लाई पूरी तरह रुक भी जाए, तो भी देश की पूरी सप्लाई चेन 7 से 8 हफ्तों तक आसानी से चल सकती है। यानी आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल और दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कमी की कोई टेंशन नहीं है। यह रिपोर्ट उन दावों को खारिज करती है जिनमें कहा गया था कि भारत के पास केवल 25 दिनों का रिजर्व बचा है। सरकार ने साफ किया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा अब किसी एक रूट या देश पर निर्भर नहीं है। अमेरिकी ट्रेजरी

विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। इससे भारत में कच्चे तेल की कमी की संभावना नहीं है। इसके अलावा पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है। सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा किया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिल रहा है। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई है।

10 साल में 27 से बढ़कर 40 देशों तक पहुंच बढ़ी

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की एनर्जी खरीद पूरी तरह से 'राष्ट्रहित' पर आधारित है। पिछले 10 सालों में भारत ने अपने तेल सोर्सिंग के दायरे को काफी बढ़ाया है। एक दशक पहले भारत केवल 27 देशों से तेल खरीदता था, जो अब बढ़कर 40 हो गए हैं। वैश्विक स्तर पर तनाव के बावजूद भारत ने अपनी जरूरतों के लिए नए रास्ते तलाशे हैं।

आम जनता को महंगाई से बचाने के लिए सरकारी तेल कंपनियों ने भारी नुकसान उठाया है। रिपोर्ट के अनुसार, पब्लिक सेक्टर की कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल पर 24,500 करोड़ रुपये और एलपीजी (एलपीजी) पर करीब 40,000 करोड़ रुपये का घाटा खुद सहा, ताकि रिटेल कीमतें न बढ़ें। सरकार का दावा है कि पिछले 12 सालों में देश का एक भी पेट्रोल पंप ड्राई नहीं हुआ है।

हॉर्मुज पर निर्भरता कम हुई

दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को लेकर अक्सर चिंता जताई जाती है, लेकिन भारत ने अपनी रणनीति बदल ली है। अब भारत का केवल 40% कच्चा तेल इस रास्ते से आता है। बाकी 60% तेल रूस, पश्चिमी अफ्रीका, अमेरिका और मध्य एशिया जैसे वैकल्पिक रास्तों से आता है। रिपोर्ट के मुताबिक वे दिन अब नहीं रहे जब भारत की एनर्जी सिक्योरिटी किसी एक समुद्री रास्ते पर निर्भर थी।

4 साल से स्थिर हैं कीमतें: पाकिस्तान में 55% तो जर्मनी में 22% बढ़ा दाम

पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (PPAC) के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि भारत में पिछले चार सालों से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। फरवरी 2022 से फरवरी 2026 के बीच दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 0.67% की मामूली गिरावट आई है।

अनिल अंबानी पर ₹1,085 करोड़ की धोखाधड़ी का नया केस

पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCom) के पूर्व डायरेक्टर अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का एक नया मामला दर्ज किया है। ANI के अनुसार ये कार्रवाई पंजाब नेशनल बैंक (PNB) की शिकायत पर की गई है। बैंक का आरोप है कि अनिल अंबानी और उनकी कंपनी ने 2013 से 2017 के बीच बैंक के साथ 1,085 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। CBI ने इस मामले में IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120B (आपराधिक साजिश) के तहत FIR दर्ज की है। PNB के मैनेजर संतोषकृष्ण अन्नवरपु की शिकायत के अनुसार, अनिल अंबानी और कंपनी के अन्य निदेशकों ने बैंक से लिए गए फंड का गलत इस्तेमाल किया। FIR में कहा गया है कि आरोपियों ने PNB को 621.39 करोड़ रुपए और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (जिसका अब PNB में विलय

हो चुका है) को 463.80 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया है। बैंक का दावा है कि कंपनी ने लोन की रकम को उन जगहों पर निवेश किया या भेजा, जिसकी जानकारी बैंक को नहीं दी गई थी। इससे पहले फरवरी में भी अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCOM) के खिलाफ CBI ने धोखाधड़ी का एक नया मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि अनिल अंबानी और उनकी कंपनी ने साल 2013 से 2017 के बीच बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) के साथ 2,220 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी की है।

गर्मी से पहले एसी खरीदना हुआ महंगा

नई दिल्ली। गर्मी से पहले AC खरीदना महंगा हो गया है। AC डाइकिन, वोल्टास और ब्लू स्टार जैसी बड़ी कंपनियों ने कीमतें 15% तक बढ़ा दी है। कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल जैसे कॉपर, एल्युमीनियम की बढ़ती कीमतों और माल ढुलाई के खर्च में इजाफे की वजह से दाम बढ़ाए हैं। 1 जनवरी 2026 से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (BEE) ने AC के लिए नए मानक लागू किए हैं। इसके तहत अब 5-स्टार एसी पुराने 5-स्टार एसी की तुलना में 10% से 11% अधिक एनर्जी एफिशिएंट हैं। आसान शब्दों में कहें तो नया एसी कम बिजली में ज्यादा कूलिंग देगा। एलजी के अधिकारियों का कहना है कि जीएसटी को 28% से घटाकर 18% किए जाने से बढ़ी हुई लागत का असर काफी हद तक कम हुआ है। इससे कंपनियों के लिए बिजली बचाने वाले एसी ग्राहकों तक पहुंचाना थोड़ा आसान हुआ है। ब्लू स्टार के एमडी बी. त्यागराजन ने बताया कि उन्होंने फरवरी के मध्य में ही 8-10% की बढ़ोतरी कर दी थी। हालांकि, इसका असर बाजार में दिखने में थोड़ा समय लगेगा। डीलर्स ने पुराने रेट पर काफी स्टॉक उठा लिया था।

चलती ट्रेन में चाकू मारे, नाक काटने की कोशिश, बोले- खून का बदला लेंगे

शंकराचार्य पर एफआईआर कराने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर बटुकों से यौन उत्पीड़न की FIR कराने वाले आशुतोष महाराज पर रविवार को चलती ट्रेन में जानलेवा हमला हुआ। आशुतोष महाराज ने बताया- मैं रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट AC कोच में बैठा था। रास्ते में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। बाहर गेट पर एक आदमी खड़ा था। आगे बढ़ा तो उसने पीछे से हमला कर दिया। धारदार हथियार से उसने मेरी नाक काटने की कोशिश की। चेहरे और हाथ पर कई वार किए। गंभीर चोटें आईं। काफी खून बहा। आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक,

वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे और ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर लिया। वहीं से जीआरपी को फोन करके घटना की जानकारी दी। उन्होंने हमले के पीछे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद समेत अन्य को जिम्मेदार ठहराया है। फिलहाल, जीआरपी ने शिकायत के आधार पर FIR दर्ज कर ली है। हमले पर शंकराचार्य ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- यह सब दिखावा है। आशुतोष माहौल बनाने और सुरक्षा पाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। हमारे ऊपर आरोप लगाने का मकसद सिर्फ मीडिया का अटेंशन पाना है। यह यात्रा से ध्यान भटकाने की कोशिश है। धर्मयुद्ध यात्रा के दौरान रायबरेली में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- आशुतोष महाराज नाटक कर रहे हैं। क्या भारत सरकार की रेल सुरक्षित नहीं रह गई है। इसका जवाब केंद्र को देना होगा। आशुतोष महाराज, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य हैं। उन पर 21 FIR हैं। उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर 21 फरवरी को 2 बटुकों के यौन शाषण की FIR दर्ज कराई थी। शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। मार्च के तीसरे हफ्ते में अग्रिम जमानत पर सुनवाई होगी।

- आशुतोष ब्रह्मचारी की नाक और हाथ पर चोट लगी। जीआरपी से शिकायत के बाद उन्होंने अपना इलाज कराया।
- आशुतोष ब्रह्मचारी ने जीआरपी को जानलेवा हमले की जानकारी दी। उनकी शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई थी रोक

- *आशुतोष महाराज, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य हैं। उन पर 21 FIR हैं। उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर 21 फरवरी को 2 बटुकों के यौन शाषण की FIR दर्ज कराई थी।*
- *शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है। मार्च के तीसरे हफ्ते में अग्रिम जमानत पर सुनवाई होगी।*

गैस सिलेंडर महंगा होने पर संजय सिंह का केंद्र पर हमला

ईरान के साथ संबंधों और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को लेकर भी केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

संजय सिंह ने महंगाई और गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को महंगाई का नया तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 120 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे आम लोगों पर सीधा आर्थिक बोझ पड़ा है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि यह महंगाई किसी वैश्विक परिस्थिति का परिणाम नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार की गलत और कमजोर नीतियों का नतीजा है।संजय सिंह ने कहा कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग से आता है, जिसका

लगभग 50 प्रतिशत क्षेत्र Iran के नियंत्रण में पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसी मार्ग से भारत को करीब 50 प्रतिशत गैस और 60 प्रतिशत कच्चा तेल मिलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह सब पता होने के बावजूद उन्होंने ईरान जैसे रणनीतिक और महत्वपूर्ण मित्र देश के साथ संबंध खराब कर दिए। संजय सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि हमले से दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी Israel क्यों गए और वहां से लौटते समय उन्होंने इजरायल को "फादरलैंड" क्यों कहा। अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर भी टिप्पणी संजय सिंह ने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या हो गई, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से संवेदना का कोई बयान सामने नहीं आया। उन्होंने दावा किया कि इस संघर्ष में 160 स्कूली बच्चियों की मौत हुई, फिर भी केंद्र सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान का एक नौसैनिक जहाज भारत आया था और जब वह लौट रहा था, तो भारत की सीमा के पास अमेरिकी सेना ने उसे गिरा दिया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। संजय सिंह के मुताबिक इस घटना पर भी प्रधानमंत्री की ओर से कोई विरोध दर्ज नहीं कराया गया। संजय सिंह ने कहा कि ईरान लंबे समय से भारत का परंपरागत मित्र रहा है और उसने हमेशा भारत को सस्ती दरों पर तेल उपलब्ध कराया है।

फास्ट न्यूज

नीले ड्रम जैसा हाल कर दूंगी : बीवी

वाराणसी। वाराणसी में युवक ने अपनी पत्नी सहित 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है। युवक ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी शादी के बाद से उसके पास नहीं आई और संबंध तोड़ने की बात कह रही है। नीले ड्रम जैसा हाल करने की धमकी देती है। मैंने जब समझाना चाहा तो उसके भाई और रिश्तेदारों ने घर आकर मारपीट की।

भाई ने बहन की अश्लील फोटो वायरल की

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपने रिश्ते के भाई पर सोशल मीडिया पर निजी फोटो अपलोड कर बदनाम करने, अश्लील गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। इंदिरा-नगर निवासी युवती ने बताया- 2013 में घर में एक शादी के दौरान उनकी मुलाकात बुआ के बेटे सूरज कुमार राणा से हुई थी, जो आगरा के कैंट गोपालपुर का रहने वाला है। उस समय उनकी उम्र करीब 17 वर्ष थी। रिश्तेदारी के कारण दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई और आरोपी ने उनका मोबाइल नंबर लेकर व्हाट्सऐप पर संपर्क बनाए रखा। आरोपी ने दिसंबर 2025 में उसे मैसेज भेजे और 23 फरवरी 2026 को उसकी निजी फोटो और घर की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दीं। विरोध करने पर पिता और भाई की हत्या करने की धमकी दे रहा है।

महिलाओं के लिए ताजमहल में एंट्री फ्री

आगरा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज 8 मार्च को आगरा के सभी एएसआई संरक्षित स्मारकों में महिलाओं को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इस दिन देश-विदेश से आने वाली महिला पर्यटक बिना टिकट ऐतिहासिक धरोहरों का दीदार कर सकेंगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ओर से महिला दिवस पर यह विशेष सुविधा दी जा रही है।

किसान के घर से 15 लाख के गहने चोरी

75 हजार की नकदी भी ले गए, लखनऊ में चैनल तोड़कर घर में घुसे चोर

- चोरों ने घर के बगल वाले चैनल का ताला तोड़कर मकान के अंदर प्रवेश किया।
- लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीती रात नकाबपोश चोरों ने एक किसान के घर को निशाना बनाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीती रात नकाबपोश चोरों ने एक किसान के घर को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपए के गहने और हजारों की नगदी लेकर फरार हो गए। रविवार सुबह घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। सरोजनी नगर के रनियापुर निवासी किसान उमाशंकर अपनी पत्नी, बहू और बेटे शिव शंकर के साथ रहते हैं। होली के त्योहार के चलते उनकी विवाहित बेटी भी घर आई हुई थी। उमाशंकर के बेटे शिव शंकर के अनुसार, शनिवार रात सभी परिवार के सदस्य खाना खाकर घर में सो गए थे। उमाशंकर मुख्य दरवाजे पर लगे चैनल के पास बाहर सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने घर के बगल वाले चैनल का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी तोड़ दी और उमाशंकर की पत्नी, बहू और बेटी के लगभग 15 लाख रुपए के गहने तथा 75 हजार रुपए की नगदी चोरी कर ली।

लोहिया अस्पताल में मरीज को जड़े थप्पड़

गलत इंजेक्शन लगाने का विरोध किया था, घटना के 4 घंटे बाद पहुंचे इंस्पेक्टर

- नर्सिंग स्टाफ ने युवती के हाथ में कई जगह इंजेक्शन लगाए, जिनसे ब्लीडिंग होने लगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड स्थित लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में इलाज कराने के आई बहनों के साथ मारपीट की गई। गलत तरीके से इंजेक्शन लगाने का विरोध करने पर स्टाफ उग्र हो गया। इसके बाद सिक्योरिटी बुलाकर बहनों को बुरी तरह पीट दिया। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। तकरोही अमराई गांव निवासी पीड़िता शनिवार शाम करीब 7 बजे अपनी छोटी बहन को इमरजेंसी में दिखाने आई थी। वहां मौजूद नर्स पीड़िता की बहन की नस में इंजेक्शन लगा रही थी। कई बार अलग-अलग जगह इंजेक्शन लगाया, लेकिन लगा नहीं पाई। जिसकी वजह से उसके हाथ से कई जगह खून निकलने लगा।

नर्सिंग स्टॉफ-सिक्योरिटी गार्ड ने पीटा

इस पर पीड़िता ने विरोध किया तो बहन के बैक साइड इतना तेज इंजेक्शन लगाया कि वो दर्द से चिल्ला दी। पूरे मामले की शिकायत करने की बात कही तो महिला ने थप्पड़ मार दिया। इसके बाद कंपाउडर और सिक्योरिटी गार्ड मिलकर मारने-पीटने लगे। फिर वहां पर 4-5 पांच अन्य डॉक्टर और 8-10 अज्ञात सिक्योरिटी गार्ड व कर्मचारी आ गए। जिनका वीडियो बनाने का प्रयास किया तो मोबाइल छीनकर तोड़ दिया।

चार घंटे बाद पहुंचे विभूतिखंड प्रभारी

लोहिया परिसर में करीब चार घंटे तक विवाद चलता रहा। कई बार दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। लेकिन चौकी प्रभारी के अलावा बाकी टीम नदारत दिखी। घटना की जानकारी मिलने के चार घंटे बाद थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। इसके पहले काफी मामला तूल पकड़ चुका था। इसके बाद चौकी में बैठकर पीड़ित पक्ष की बात सुनी। मामले में थाना प्रभारी विभूतिखंड अमर सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है। दोनों बहनें मदद के लिए चौकी पहुंची तो वहां मौजूद दीवान जय प्रकाश उर्फ जेपी अभद्रता करने लगे।

लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में इलाज कराने पहुंची बहनों के साथ नर्सिंग स्टाफ और सिक्योरिटी गार्ड ने मारपीट की।

66 सुनवाई न होने पर युवती ने अपने साथी वकीलों को बुलाया। जहां पुलिस और वकीलों के बीच नोकझोंक हुई। हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया तो मामला शांत हो गया। इस दौरान एक आरोपी गार्ड दिखाई दिया।

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ चौपाल संपन्न

भदोही। भदोही में मनरेगा बचाओ अभियान के तहत सुरियावां ब्लॉक के ग्राम बदायूंपुर पट्टीबेजांव में एक चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर और भदोही प्रभारी दयाशंकर पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि मनरेगा गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की एक मजबूत आधारशिला है।

पाण्डेय ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से मजदूरों और किसानों के अधिकारों के लिए लड़ती रही है, और मनरेगा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा। इसके बाद, जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के अध्यक्ष वसीम अंसारी ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण गरीब परिवारों को सम्मानजनक रोजगार प्रदान किया है। अंसारी ने इस योजना को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि मजदूरों को समय पर काम और भुगतान मिल सके।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लखनऊ में ऐपवा का मार्च

महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर उठी आवाज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। All India Progressive Women's Association (ऐपवा) की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को लखनऊ में मार्च निकाला गया। यह मार्च चंद्रिका देवी गेट से अस्सी क्रॉसिंग तक आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, कामकाजी महिलाओं, छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। मार्च के दौरान महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा, कामकाजी महिलाओं के अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर आवाज उठाई गई। मार्च के दौरान प्रतिभागियों ने कई नारे लगाए। इनमें "तेरी शक्ति मेरी शक्ति, सबकी शक्ति जिंदाबाद" और "बलात्कारियों को बेल नहीं, जेल दो" जैसे नारे प्रमुख रूप से लगाए गए। सरकार के रवैये

पर उठाए सवाल सभा को संबोधित करते हुए ऐपवा की सहयोजक सरोजिनी बिष्ट ने कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर सरकार का रवैया चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर सरकार महिलाओं की सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे मामले सामने आते हैं जिनसे दोषियों को संरक्षण मिलने का संदेश जाता है। उन्होंने Gurmeet Ram Rahim Singh, Asaram Bapu और Kuldeep Singh Sengar जैसे मामलों का जिक्र करते हुए महिलाओं को न्याय मिलने पर सवाल उठाया। ऐपवा की कमला गौतम ने अपने संबोधन में स्कीम वर्करों और कामकाजी महिलाओं की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि महिलाएँ समाज और अर्थव्यवस्था दोनों को संभाल रही हैं, लेकिन उन्हें उसका उचित सम्मान और अधिकार नहीं मिल रहा है। घर और बाहर दोनों जगह जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद महिलाओं को कम वेतन और असुरक्षित परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ऐपवा की राम देवी ने कहा कि घरेलू हिंसा को अक्सर 'घर का मामला' कहकर दबा दिया जाता है, जबकि यह महिलाओं के खिलाफ सबसे व्यापक हिंसा का रूप है। उन्होंने कहा कि कई महिलाएँ अपने ही घरों में डर और हिंसा के माहौल में जीने को मजबूर हैं।

घटना : महराजगंज में दीवार पर लिखा- पत्नी-उसका आशिक जिम्मेदार, महिला रेड में नौकरी करती है

दो बच्चों की हत्या कर पिता फंदे पर लटका

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज। महराजगंज में सशस्त्र सीमा बल (SSB) की महिलाकर्मी के पति ने मासूम बेटा-बेटी की हत्या कर आत्महत्या कर ली। दोनों बच्चों को खिड़की से रस्सी के सहारे लटकाया। फिर छत के कुंडे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। मौत से पहले पति ने कमरे की दीवार पर सुसाइड नोट लिखा- 'हमारी मौत का कारण मेरी पत्नी और उसका आशिक सोनू गौतम है। मेरे साथ रहते हुए भी सोनू से बात करती है। बच्चों को अपने से दूर नहीं कर सकता हूं।' वारदात रविवार सुबह 7 बजे की है। जब पति ने बच्चों की हत्या की तो बच्चों की चीख निकली। ये सुनकर नीचे की फ्लोर में रहने वाले किराएदारों को शक हुआ। उन्होंने आवाज लगाई तो कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। वह ऊपर देखने आए। दरवाजा खटखटाया तो नहीं खुला। फिर उन्होंने महिला जवान को फोन किया। वह उस

"दीवार पर अमरेश ने सुसाइड नोट लिखा- मेरे साथ रहकर भी वंदना, सोनू को कॉल करती है। बोलती है तुम मेरा कुछ नहीं कर सकते हो। मैं अपने बच्चों को दूर नहीं कर सकता हूं। हमारी मौत का कारण मेरी पत्नी वंदना कुमारी (एसएसबी) और उसका आशिक सोनू गौतम, वंदना के पिता रामअवतार, मां चंदा देवी, भाई नवीन कुमार, उसकी पत्नी सुनीता देवी और अमरनाथ हैं।

वक्त ड्यूटी पर थी। थोडी देर में महिला जवान घर आई। दरवाजा खटखटाया,

किराएदार को चीख-पुकार सुनाई दी

नौतनवा में 66 वीं वाहिनी SSB में वंदना भारती (35) फोर्थ क्लास में तैनात है। 2019 में अमरेश (40) की शादी हुई थी। वो शादी के पहले से ही नौकरी कर रही है। वह एक साल पहले यहां आई थी, इससे पहले झारखंड में पोस्टिंग थी। वंदना यहां पति के अलावा बेटा अमरेंद्र कुमार (4) और बेटी कंचन (3) के साथ किराए के मकान की पहली मंजिल पर रहती थी। शनिवार की शाम को वंदना ड्यूटी पर चली गई थी। फिर रविवार तड़के आई और काम-काज निपटाने के बाद वापस ड्यूटी पर चली गई।

लेकिन नहीं खुला। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर देखकर सभी सन्न रह गए। खिड़की के सहारे 4 साल के बेटे और 3 साल की बेटी की लाश टंगी थी। जबकि, पति का शव कमरे में लटका हुआ था।

पृष्ठ 01 का शेष...

गृहसचिव ने ...

कहा कि मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री मुझे रिसीव करने आया। मुझे नहीं पता कि ममता मुझसे नाराज हैं या नहीं। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। राष्ट्रपति मुर्मू के बयान पर ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल पर कमेंट करने से पहले आपको BJP शासित राज्यों की हालत देखनी चाहिए। सिर्फ एक पॉलिटिकल पार्टी की बात सुनकर कमेंट करना सही नहीं है। CM ने कोलकाता में एक विरोध प्रदर्शन वाली जगह पर कहा कि BJP इतना नीचे गिर गई है कि वे राज्य को बदनाम करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति को उनके कार्यक्रम में राज्य के प्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी के बारे में दी गई जानकारी गलत थी।

मंत्री का गाना ...

एक युवती से कहा- खूब पढ़ो, कामयाब बनो। CM ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऐलान किया कि बहुत ही जल्द हम छात्राओं को फ्री में स्कूटी देने जा रहे हैं। ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट फाइनल ईयर की छात्राओं को फायदा होगा। अब बेटी किसी पर निर्भर नहीं रहेगी। सरकार उनकी पढ़ाई और नौकरी दिलाने में मदद करेगी। पिंक महाकुंभ-2026 में 5000 महिलाओं को रोजगार देने की योजना है। इसके साथ ही संगम पोर्टल के मोबाइल ऐप की लॉन्चिंग, 94 नव-नियुक्त मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्रों का वितरण, नारी शक्ति अवॉर्ड दिए गए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 3849 लाख की धनराशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में दी गई। पिंक रोजगार महाकुंभ में जॉब के लिए आई कई छात्राएं व्यवस्थाओं से नाराज दिखीं। यूनिटी ITI से आई आसिफा खान ने कहा- हम लोग पढ़ी-लिखीं है। बुआ जी वाली जॉब या बेबी केयर की जॉब कौन करेगा। शिल्पी यादव ने कहा- पिंक महाकुंभ का एक्सपीरियंस कुछ खास नहीं रहा। एंप्लॉयर सत्यराम वर्मा बोले- कंपनी वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दे रही है। काम के अनुसार वीकली पे आउट दिया जाता है। IGP में पिंक रोजगार महाकुंभ में अलग-अलग कंपनियों ने महिला अभ्यर्थियों के इंटरव्यू लेकर परिणाम को नोटिस बोर्ड पर लगाया। नोटिस बोर्ड के पास लोगों की भीड़ नजर आई। CM योगी ने महिला सम्मान समारोह में बच्चियों को टेडी बियर दिया। उनको प्यार से दुलारा भी। कहा- खूब पढ़ो; कामयाब बनो। लखनऊ में IGP में पिंक रोजगार मेले में बड़ी संख्या महिलाओं-युवतियों ने रोजगार के लिए पंजीकरण कराया है। इंटरव्यू के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं। राज्य मंत्री बाल विकास महिला कल्याण पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला ने कहा- यूपी सरकार महिलाओं को सशक्त बना रही। समृद्धशाली बना रही। रोजगार के साथ में जोड़ रही है। अब हमारी बहने कह रही हैं कि अब हम चौके से चौपाल पर आ गई हैं। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

लेबनान में ...

ताजानी के मुताबिक क्षेत्र में फंसे इतालवी नागरिकों को निकालने के लिए गल्फ टास्क फोर्स के करीब 200 अधिकारी तैनात किए गए थे। विदेश मंत्री ने कहा कि यह टीम चौबीसों घंटे काम कर रही थी, ताकि अलग-अलग देशों में फंसे इतालवी नागरिकों को सहायता दी जा सके और उन्हें सुरक्षित इटली वापस लाया जा सके। ईरान में नए सुप्रीम लीडर बनने की दौड़ में पांच प्रमुख नाम चर्चा में थे। इनमें मुजतबा खामेनेई, अलीरेजा अराफी, मोहम्मद मेहदी मीरबाघेरी, हसन खोमैनी और हाशेम होसेनी बुशेहरी शामिल हैं मुजतबा खामेनेई दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे हैं और उन्हें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से करीबी माना जाता है। वहीं अलीरेजा अराफी असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के डिप्टी चेयरमैन हैं और गार्जियन काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं। मोहम्मद मेहदी मीरबाघेरी कट्टरपंथी धर्मगुरु माने जाते हैं, जबकि हसन खोमैनी इस्लामिक रिपब्लिक के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के पोते हैं। हाशेम होसेनी बुशेहरी असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के पहले डिप्टी चेयरमैन हैं और उन्हें चयन प्रक्रिया से जुड़े अहम चेहरों में गिना जाता है। हालांकि अब तक यह साफ नहीं हुआ है कि इन पांच नामों में से किसे ईरान का अगला सुप्रीम लीडर चुना गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही इसका आधिकारिक ऐलान किया जा सकता है। लेबनान में इजराइल के हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 394 हो गई है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक मृतकों में 83 बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 1130 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष के बीच लेबनान में हमले तेज हुए हैं। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसकी वायुसेना ने ईरान में 400 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। इन हमलों में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर और हथियार बनाने वाले ठिकानों को निशाना बनाया गया इजराइली रक्षा बल (IDF) के मुताबिक वायुसेना ने पिछले 24 घंटों में पश्चिमी और मध्य ईरान में व्यापक हमले किए।

यूजीसी के विरोध में दिल्ली पहुंचे सवर्ण समाज के लोग

ब्राह्मण नेता मदन मोहन शर्मा को पुलिस ने किया नजरबंद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। यूजीसी के नए कानून के विरोध में सवर्ण समाज के लोग दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में आगरा से रवाना हुए। सिकंदरा से एक साथ बस और वाहनों के माध्यम से लोग राजधानी दिल्ली पहुंचे। इस बीच, ब्राह्मण समाज के नेता पं. मदन मोहन शर्मा को पुलिस ने घर में नजरबंद कर लिया। उन्हें और उनके समर्थकों को दिल्ली जाने से रोका। यूजीसी के नए कानून के विरोध में लंबे समय से सवर्ण समाज विरोध प्रदर्शन कर रहा है। 8 मार्च को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। इसको लेकर आगरा से बड़ी संख्या में लोगों को दिल्ली जाना था। रविवार सुबह अलग-अलग ग्रुप में लोग दिल्ली पहुंचे। सिकंदरा चौराहे से पं. यतीश लवानियां और उनके साथी दिल्ली पहुंचे। उन्होंने यूजीसी रोल बैक के नारे

लगाए। वहीं, मदन मोहन शर्मा को पुलिस ने घर में नजर बंद कर दिया। इससे पहले आगरा में भी यूजीसी के नए कानून के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। अधिवक्ता और ब्राह्मण समाज के लोग सड़कों पर उतर आए थे। इस प्रदर्शन में कुछ लोग अर्द्धनग्न होकर विरोध जताने तक पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न नारे लगाए और नए नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई थी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676